अभ्यास-कार्य

विषय - हिंदी

कक्षा - आठवीं

समन्वयक

अखिल प्रकाश गुप्ता

प्रवक्ता - हिंदी

रा0व0मा0 बाल विद्यालय नं0 1, शक्ति नगर, दिल्ली -7

तैयारकर्ता

संजय कुमार राय

टी0जी0टी0 हिंदी

राजकीय व. मा. बाल विद्यालय

नं.1, शक्ति नगर, दिल्ली-07

मनीष कुमार शर्मा

टी0जी0टी0 हिंदी

रा0 व0 मा0 बाल विद्यालय

रोशनारा रोड, दिल्ली - 07

अध्याय–1

S.A. -1

‘ध्वनि (कविता)’

अभ्यास–कार्य

1. ‘ध्वनि’ कविता के सम्बन्ध में कुछ वाक्य दिए गए हैं। कोष्ठक में दिए गए उचित शब्दों के द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

   शब्द – (उत्कर्ष, वसंत, अंत, आलस्य, आशा)

   1) अभी कवि का .... नहीं होने वाला है।
   2) कवि–जीवन का .... हुआ है।
   3) कवि जीवन में .... की बहार आई हुई है।
   4) कवि अपनी कविताओं के माध्यम से युवा पीढ़ी को .... का संदेश लेकर जागृत करेगा।
   5) एक–एक युवक से .... को दूर भगा देगा।

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ कोष्ठक में दिए गए हैं। प्रत्येक शब्द के सामने उनका सही अर्थ चुनकर लिखिए :-

शब्द	**अर्थ**
मृदुल	....
प्रत्यूष	....
मनोहर	....
अनंत	....
नव	....
सहर्ष	....

3. कविता में अनेक शब्दों (विशेष्य) के लिए सुन्दर विशेषणों का प्रयोग हुआ है। आप कविता से विशेष्य के लिए सही विशेषण (सही विकल्प) का चुनाव करें।

   1) वसंत

      क) मनोहर   ख) निद्रित

      ग) मृदुल   घ) प्रत्यूष

   उत्तर ....

2) गात (शरीर) -

क) अनंत ख) कोमल

ग) हरे-भरे घ) अमृत

उत्तर ....

3) पात (पत्ते)

क) सूखे ख) मनोहर

ग) हरे-भरे घ) चमकीले

उत्तर ....

4) कलियाँ

क) हर्षित ख) निन्दित

ग) खिली हुई घ) सुन्दर

उत्तर ....

4. कविता की पंक्तियों को पूरा करो -

हरे- हरे ये पात,

डालियाँ, कलियाँ ....।

मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल-कर

फेरूँगा निद्रित ....

जगा एक ....।

अध्याय –2

‘लाख की चूड़ियाँ’

अभ्यास–कार्य

1 गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

बदलू मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पैशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुन्दर चूड़ियाँ बनाता था। उसकी बनाई हुई चूड़ियों की खपत भी बहुत थी। उस गाँव में तो सभी स्त्रियाँ उसकी बनाई हुई चूड़ियाँ पहनती ही थी। आस–पास के गाँवों के लोग भी उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। परंतु वह कभी भी चूड़ियों को पैसों से बेचता न था। उसकी अभी तक वस्तु–विनिमय का तरीका था और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। बदलू स्वभाव से बहुत सीधा था। मैने कभी भी उसे किसी से झगड़ते नहीं देखा। हाँ, शादी–विवाह के अवसरों पर वह अवश्य जिद पकड़ जाता था। जीवन भर चाहे कोई उससे मुफ्त चूड़ियाँ ले जाए परंतु विवाह के अवसर पर वह सारी कसर निकाल लेता था।

1) बदलू क्या था ?

उत्तर ....

....

....

2) बदलू का पैतृक पेशा क्या था ?

उत्तर ....

....

....

3) उसकी बनाई हुई चूड़ियों को कौन लोग खरीदते थे ?

उत्तर ....

....

....

4) बदलू का स्वभाव कैसा था ?

उत्तर ....

....

....

5) बदलू जिद कब पकड़ लेता था ?

उत्तर ....

....

....

2. किसी भी व्यक्ति, स्थान, वस्तु, विचार अथवा भाव को संज्ञा कहते हैं।
नीचे दिए गए संज्ञा शब्दों को उनके भेद के आधार पर छाँटकर अलग-अलग लिखिए -

* आदमी, नीम, बदलू, लाख, मुलायम, चूड़ी, अनाज, गाँव, संसार, पढ़ाई, आम, चारपाई, अवस्था, व्यथा, नाजुक ।

क) व्यक्तिवाचक संज्ञा ....
....

ख) जाति वाचक संज्ञा ....
....

ग) भाव वाचक संज्ञा ....
....

3. नीचे शब्दों के आगे दिए गए अर्थ का क्रम सही नहीं है। आप शब्द के आगे उसका सही अर्थ लिखिएः-

शब्द	अर्थ	सही अर्थ
पैतृक	पुराना समय	....
विनिमय	पिता से प्राप्त	....
अतीत	अदल-बदल	....
फबना	चाह	....
चाव	शोभा देना	....

अध्याय -3

'बस की यात्रा'

अभ्यास-कार्य

1. नीचे दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिन्हों को छाँटकर लगाइए :-

   1) यह बस चलती भी है
   2) एकाएक बस रूक गई
   3) आया है सो जाएगा राजा रंक फकीर
   4) बस तो फर्स्ट क्लास है जी
   5) आठ दस मील चलने पर सारे भेदभाव मिट जाएँगे।

।
?
‘‘ ’’
-
,
!

2. नीचे दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :-

   1) बपोव्रद्ध ....
   2) कस्ट ....
   3) विश्वसनिय ....
   4) गलानि ....
   5) अत्येष्ठि ....
   6) दुलर्भ ....

3. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :-

शब्द	विलोम
वृद्ध	....
योग्य	....
राजा	....
फकीर	....
असहयोग	....

4. नीचे दिए गए अनुच्छेद को उचित सर्वनाम शब्दों द्वारा पूरा कीजिए :-

क्षीण चाँदनी में वृक्षों की छाया के नीचे .... बस बड़ी दयनीय लग रही थी। लगता, जैसे .... वृद्धा थककर बैठ गई हो। .... ग्लानि हो रही थी कि बेचारी पर लदकर . ... चले आ रहे हैं। अगर .... प्राणांत हो गया तो .... वियाबान में .... इसकी अंत्येष्टि करनी पड़ेगी।

5. बस, वश, बस तीन शब्द हैं – इनमें बस सवारी के अर्थ में, वश अधीन के अर्थ में, और बस पर्याप्त के अर्थ में प्रयुक्त होता है, जैसे – बस से चलना होगा। मेरे वश में नहीं है। अब बस करो।
उपर्युक्त वाक्य के समान तीनों शब्दों से युक्त आप भी दो-दो वाक्य बनाइए –

बस 1) ....
2) ....

वश 1) ....
2) ....

बस 1) ....
2) ....

अध्याय -4

'दीवानों की हस्ती'

अभ्यास-कार्य

1 काव्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

हम भिखमंगों की दुनिया में
स्वच्छंद लुटाकर प्यार चले
हम एक निशानी-सी उर पर,
ले असफलता का भार चले।
अब अपना और पराया क्या?
आबाद रहे रुकने वाले।
हम स्वयं बँधे थे और स्वयं
हम अपने बंधन तोड़ चले।

1) कविता के कवि का नाम है -

क) कबीर — ख) भगवती चरण वर्मा

ग) जयशंकर प्रसाद — घ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

उत्तर ....

2) 'स्वच्छंद' शब्द का अर्थ हैं -

क) आजाद — ख) बंदी

ग) कैदी — घ) स्वाभिमानी

उत्तर ....

3) 'पराया' का विलोम है -

क) परोपकार — ख) अपना

ग) अजनबी — घ) पराधीन

उत्तर ....

4) कवि किसको आबाद रहने के लिए कहता है -

क) घूमने वाले — ख) सोने वाले

ग) रुकने वाले — घ) चलने वाले

उत्तर ....

2. नीचे दिए गए शब्दों में से विलोम शब्द छाँटिए :-
असफलता, दूसरा, कल, दुख, मुक्ति, हँसना

शब्द	विलोम
आज	....
सफलता	....
स्वयं	....
रोना	....
सुख	....
बंधन	....

3. नीचे दिए गए शब्दों को बर्तनी के आधार उनको शुद्ध और अशुद्ध रूपों में अलग-अलग लिखिए -
हस्ति, धूल, उल्लास, आँसु, स्वच्छंद, स्वम, लूटाकर, निसानी

शुद्ध	अशुद्ध
....	....
....	....
....	....
....	....

4. 'संतुष्टि' के लिए कवि ने कविता में जिन शब्दों का प्रयोग किया है। उन शब्दों को लिखिए -
संतुष्टि -- 1) ....
2) ....
3) ....

अध्याय –5

'चिट्ठियों की अनूठी दुनिया'

अभ्यास-कार्य

प्र01 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

पत्र व्यवहार की परंपरा भारत में बहुत पुरानी है। पर इसका असली विकास आजादी के बाद ही हुआ है। तमाम सरकारी विभागों की तुलना में सबसे ज्यादा गुडविल डाक विभाग की ही है। इसकी एक खास वजह यह भी है कि यह लोगों को जोड़ने का काम करता है। घर-घर तक इसकी पहुँच है। संचार के तमाम उन्नत साधनों के बाद भी चिट्ठी-पत्री की हैसियत बरकरार है। शहरी इलाकों में आलीशान हवेलियाँ हो या फिर झोपड़ पट्टियों में रह रहे लोग, दुर्गम जंगलों से घिरे गाँव हों या फिर बर्फबारी के बीच जी रहे पहाड़ों के लोग, समुद्र तट पर रह रहे मछुआरे हो या फिर रेगिस्तान की ढाँणियों में रह रहे लोग, आज भी खतों का ही सबसे अधिक बेसब्री से इंतजार होता है।

प्र01 भारत में पत्र-व्यवहार का असली विकास कब हुआ ?

उत्तर ....

....

प्र02 तमाम सरकारी विभागों में किस विभाग की साख सबसे ज्यादा है ?

उत्तर ....

....

प्र03 लोगों को जोड़ने का काम कौन करता है ?

उत्तर ....

....

प्र04 संचार के अनेक उन्नत साधनों के बावजूद किसकी हैसियत अब भी बरकरार है ?

उत्तर ....

....

प्र05 खतों का सबसे अधिक बेसब्री से इंतजार कौन करता है ?

उत्तर ....

....

प्र02 आपका मित्र लखनऊ में रहता है। गर्मी की छुट्टियों में दिल्ली घूमने के लिए उसे पत्र लिखिए।

प्र03 चिट्ठी के लिए हर भाषा में अलग-अलग शब्द हैं। निम्नलिखित भाषाओं में चिट्ठी को क्या कहा जाता है? लिखिए :-

भाषा	नाम
संस्कृत	....
उर्दू	....
कन्नड़	....
तेलुगु	....
तमिल	....

प्र04 पत्र संचार का एक महत्वपूर्ण साधन है। संचार के तीन आधुनिक साधनों के नाम लिखिए :-

1) ....
..

2) ....
..

3) ....
..

प्र05 निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नया शब्द बनाइए –

1) समाज ....
2) कवि ....
3) उपयोग ....
4) राजनीति ....
5) मानव ....
6) ज्यादा ....
7) उत्सुक ....

अध्याय -6

'भगवान के डाकिए'

अभ्यास-कार्य

1 काव्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

पक्षी और बादल,
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं।
मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ
पेड़, पौधे पानी और पहाड़
बाँचते है।

1) कविता के कवि का नाम है -

अ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ब) रामधारी सिंह दिनकर

स) कबीर द) नरोत्तम दास

उत्तर ....

2) भगवान के डाकिए हैं -

अ) पक्षी ब) बादल

स) अ और ब दोनों द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर ....

3) चिट्ठियों को पढ़ते हैं -

अ) आदमी ब) जानवर

स) पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ द) कोई नहीं

उत्तर ....

4) जो एक .... से दूसरे .... को जाते हैं (रिक्त स्थान भरो)

अ) गाँव ब) शहर

स) कस्बे द) महादेश

उत्तर ....

2. संदेश भेजने वाले माध्यमों के कुछ अंश दिए गए है उन्हें निम्न शब्दों से जोड़कर पूरा करो।

(कार्ड, इन्टर, टेली, मेल, आर्डर, तार)

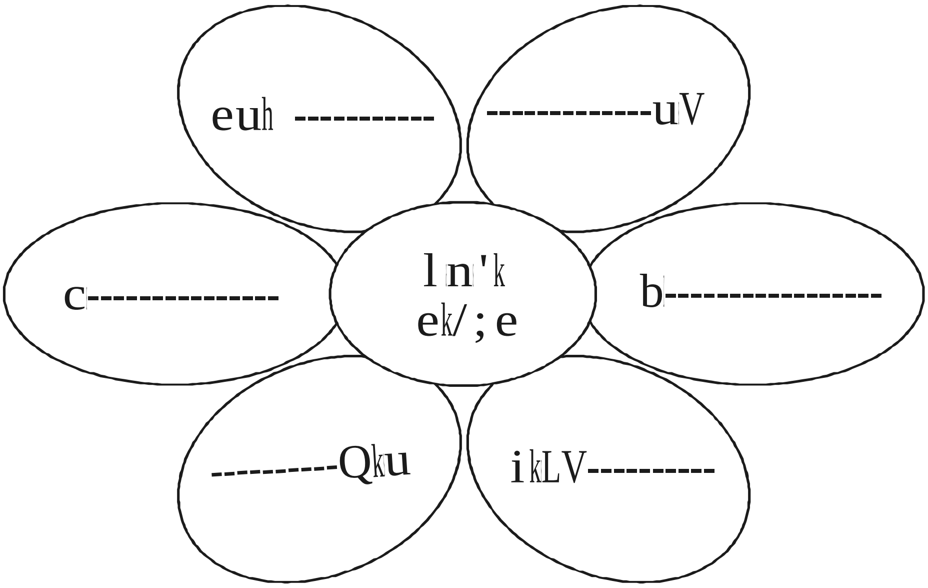

3. विलोम शब्द -

(आसमान, देश, रात, प्रकाश, दुर्गन्ध)

सुगंध	....
....	विदेश
दिन	....
....	अंधकार
धरती	....

4. प्रमुख भाषाओ का लिपि के साथ मिलान कीजिए ।

भाषा	लिपि	सही मिलान
हिन्दी / संस्कृत	रोमन	....
अंग्रेजी	फारसी	....
उर्दू / अरबी	गुरूमुखी	....
पंजाबी	देवनागरी	....

पाठ –7

‘क्या निराश हुआ जाए’

अभ्यास - कार्य

1 गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो –

मेरा मन कभी –कभी बैठ जाता है। समाचार पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। आरोप-प्रत्यारोप का कुछ ऐसा वातावरण बन गया है कि लगता है देश में कोई ईमानदार आदमी ही नहीं रह गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। जो जितने ही ऊँचे पद पर है। उसमें उतने ही अधिक दोष दिखाए जाते हैं।

1) लेखक का मन कभी–कभी बैठ जाता है।

अ) पैसे की कमी से   ब) लड़ाई दंगो से

स) ठगी, चौर, डकैती, भ्रष्टाचार से   द) अपनेपन से

उत्तर ....

2) आदमी में कम होती जा रही है –

अ) बेईमानी   ब) धोखाधड़ी

स) सच्चाई   द) ईमानदारी

उत्तर ....

3) संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है।

अ) जानवर   ब) पक्षी

स) आदमी   द) कोई नहीं

उत्तर ....

4) इन पंक्तियों के लेखक का नाम है।

अ) प्रदीप तिवारी   ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी

स) रामदरश मिश्र   द) हरिशंकर परसाई

उत्तर ....

2. दिए गए बॉक्स में अव्यवस्थित शब्द है उसे व्यवस्थित कर दूसरे बॉक्स में लिखिए –

भी ध रू र्म   --

श फा प र्दा   --

स घा वि त श्वा   --

श शा ली क्ति   --

न ई दा म री --

3. दिए गए शब्दो में से अंग्रेजी भाषा से हिन्दी में लिए गए शब्दों को छाँटकर लिखिए

रेलवे स्टेशन, द्रविड़, टिकिट, भीरू, किलोमीटर, उद्योग, कंडक्टर विचित्र, साइकिल

1) ....

2) ....

3) ....

4) ....

5) ....

4. संज्ञाओ के कुछ उदाहरण पाठ से दिए जा रहे है। उन्हें छाँटकर लिखिए –

रविन्द्र नाथ ठाकुर, मनुष्य, ईमानदारी, महात्मा गाँधी, समाचार पत्र, नौजवान, भारतवर्ष, मनुष्य, विनम्रता

	1	2	3
व्यक्तिवाचक	....	....	....
जातिवाचक	....	....	....
भाववाचक	....	....	....

5. आकृति में दिए गए शब्दों को नीचे दिए गए शब्दों के सामने विपरीत लिंग के अनुसार लिखें।

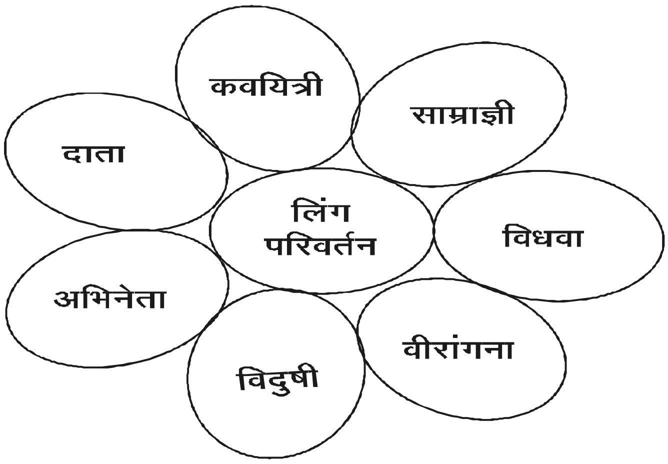

1) वीर -- ....

2) दानी -- ....

3) अभिनेत्री -- ....

4) विद्वान -- ....

5) सम्राट -- ....

6) विधुर -- ....

7) कवि -- ....

पाठ –8

'यह सबसे कठिन समय नहीं'

अभ्यास –कार्य

1 काव्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –

अभी भी कहता है कोई किसी को
जल्दी आ जाओ कि अब
सूरज डूबने का वक्त हो गया
अभी कहा जाता है
उस कथा का आखिरी हिस्सा
जो बूढ़ी नानी सुना रही है सदियों से
दुनिया के तमाम बच्चों को
अभी आती है एक बस
अंतरिक्ष के पार की दुनिया से
लाएगी बचे लोगों की खबर

1) काव्यांश के कवि का नाम है –

अ) निराला ब) जयाजादवानी
स) हरिशंकर परसाई द) रामधारी सिंह दिनकर

उत्तर ....

2) अब वक्त हो गया है –

अ) रात का ब) दिन का
स) सूरज के डूबने का द) सुबह का

उत्तर ....

3) उस कथा का आखिरी हिस्सा सदियों से सुना रही है –

अ) दादा ब) चाची
स) पिता जी द) बूढ़ी नानी

उत्तर ....

4) अंतरिक्ष के पार की दुनिया से बचे हुए लोगो की बस लाएगी–

अ) खबर ब) सुध
स) जानकारी द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर ....

3. सारिणी में से निम्नलिखित शब्द छाँटिए।

खबर, सूरज पत्ती, कथा, वक्त तिनका आखिरी, कठिन, भीड़, दुनियाँ अंतरिक्ष, प्रतीक्षा

(क्रम कुछ भी, दाँऐ, बाँऐ ऊपर, नीचे, तिरछा, उल्टा सीधा होगा)

ख	प	ज	र	सू
त्ती	ब	प्र	री	था
प	ती	र	खि	क
क्षा	क्ष	ति	आ	व
दु	रि	न	न	क्त
नि	त	भी	ठि	का
यां	अं	ख	ड़	क

4. दिए गए शब्दों में से पर्यायवाची छाँटिए –

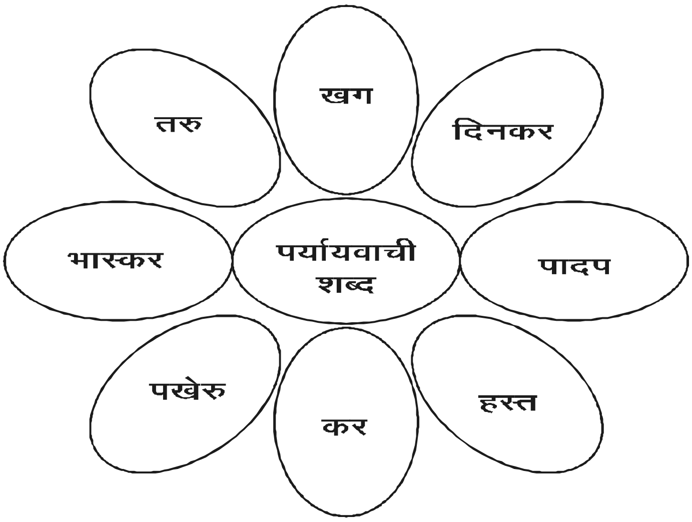

पेड़ ....

पक्षी ....

सूरज ....

हाथ ....

4. दिए गए स्वर ध्वनियों का वर्गीकरण कीजिए।

अ, आ, ई, ई, उ, ऊ, ऋ, ए ऐ ओ, औ

ह्रस्वस्वर ....

दीर्घस्वर ....

पाठ-9

'कबीर की साखियाँ'

अभ्यास - कार्य

प्र01 काव्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

जाति न पूछो साध की पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तरवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।
माला तो कर में फिरै, जीभ फिरै मुख माँहि।
मनुवाँ तो दहुँ दिंसि फिरै, यह तौ सुमिरन नाहिं।

1) पक्तियों के रचयिता का नाम है ....

अ)	सूरदास	ब)	कबीर
स)	तुलसी	द)	मीरा

2) साधु से नहीं पूछना चाहिए ....

अ)	धर्म	ब)	नाम
स)	जाति	द)	काम

3) जब तलवार का मोल कर रहे हैं। तब पड़ी रहने देना चाहिए ....

अ)	म्यान	ब)	बन्दूक
स)	सुई	द)	तोप

4) मन फिरता है ....

अ)	उत्तर दिशि	ब)	एक दिशि
स)	संसार में	द)	दहुँ दिशि

5) माला फेरनी चाहिए ....

अ)	हाथ से	ब)	मन से
स)	दोनो से	द)	किसी से नहीं

2. दिए गए क्षेत्रीय भाषा के शब्दों का उनके मानक रूपों के साथ मिलान कीजिए।

क्षेत्रीय	मानक	सही मिलान कीजिए
म्यान	पैर	....
मनुवॉ	स्मरण	....

सुमिरन	अहं	....
पाऊँ	दुश्मन	....
दुलेही	मन	....
बैरी	तलवार रखने का कोश	....
आपा	दुख	....

3. अनेकार्थी शब्द (निम्नलिखित शब्दो में से छाँटकर लिखिए)
मशीन, हाथ, आने वाला दिन, स्मरण, टैक्स, ईश्वर के नाम का जप

1. कर

2. सुमिरन

3. कल

4. दिए गए शब्दो को वर्तनी के आधार पर उनके शुद्ध और अशुद्ध रूपों में अलग-अलग कीजिए
प्रनाम, चरण, कृप्या, प्रसिद्ध, आँख, दांत, अध्यन, पुन्य, उज्ज्वल, वृत

शुद्ध		अशुद्ध	
1)	....	1)	....
2)	....	2)	....
3)	....	3)	....
4)	....	4)	....
5)	....	5)	....

पाठ –10

S.A. -2

'कामचोर'
अभ्यास-कार्य

1. गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

इतने में भेड़ें सूप को भूलकर तरकारीवाली की टोकरी पर टूट पड़ीं। वह दालान में बैठी मटर की फलियाँ तोल-तोल कर रसोइया को दे रही थी। वह अपनी तरकारी का बचाव करने के लिए सीना तान कर उठ गई। आपने कभी भेड़ों को मारा होगा तो अच्छी तरह देखा होगा कि बस, ऐसा लगता है जैसे रुई के तकिए को कूट रहे हों।

भेड़ को चोट ही नहीं लगती। बिलकुल यह समझकर कि आप उससे मजाक कर रहे हैं। वह आप ही पर चढ़ बैठेगी। जरा-सी देर में भेड़ों ने तरकारी छिलकों समेत अपने पेट की कड़ाही में झोंक दी।

प्र० 1) लेखक और पाठ का नाम बताओ।

उत्तर ....

....

2) सूप में क्या था ?

उत्तर ....

....

3) सूप भूल कर भेड़ें किस पर क्यों टूट पड़ी ?

उत्तर ....

....

4) तरकारी वाली ने बचाव का क्या उपाय किया ?

उत्तर ....

....

5) भेड़ को चोट क्यों नहीं लगती ?

उत्तर ....

....

2. दिए गए शब्दांशों को आगे (उपसर्ग), पीछे (प्रत्यय) जोड़कर शब्द बनाइये।

(दम, मान, देश, लय, मरण, होन, बदल, दिन, उतार, दुकान)

उपसर्ग		प्रत्यय	
1)	बे	1)	.... कर
2)	प्र	2)	.... भर
3)	आ	3)	.... वाने
4)	वि	4)	.... हार
5)	अप	5)	.... दार

3. पाठ के आधार पर दिए उदाहरण के माध्यम से शब्द-युग्म खोजिए

उदाहरण - डोंगे - कटोरें

(ठास, पश्टम, पिछाड़ी, बेधुली, चूने)

1) कत्थे ....
2) धुली ....
3) ठूसम ....
4) लश्टम ....
5) अगाड़ी ....

4. दिए गए बॉक्स में अव्यवस्थित शब्द हैं उसे व्यवस्थित कर दूसरे बाक्स में लिखिए

न	सा	मा	घ	--				
ह	ख्वा	न	त	--				
थ	ल	थ	प		--			
न	बे	ल	के	--				
न	फ	मा	र	--				

अध्याय -11

'जब सिनेमा ने बोलना सीखा'

अभ्यास - कार्य

प्र01 यहाँ पर पाठ से संबंधित कुछ कथन दिए गए हैं। आप सही कथन के सामने 'सत्य' और गलत कथन के सामने 'असत्य' लिजिए -

1) देश की पहली सवाक् (बोलती) फिल्म 'आलम आरा' थी। ....
2) दादा साहब फाल्के 'आलम आरा' के निर्माता थे। ....
3) 14 मार्च 1931 को, भारत की पहली बोलती फिल्म प्रदर्शित हुई। ....
4) 'आलम आरा' फिल्म के नायक अशोक कुमार और नायिका देविका रानी थीं।................
5) फिल्म समीक्षकों ने आलम आरा को 'भड़कीली फैंटेसी' फिल्म कहा। ....
6) निर्माता - निर्देशक अर्देशिर एम0 ईरानी को 'भारतीय सवाक् फिल्मों का पिता कहा जाता है। ....
7) आलम आरा फिल्म के प्रदर्शन के बाद फिल्मों में हिन्दी-उर्दू भाषाओं का महत्व घट गया। ....

प्र02 निम्नलिखित शब्दों के आगे उनके विलोम दिए गए हैं, किन्तु वे सुमेलित नहीं है। आप शब्दों के आगे उनके सही विलोम लिखिए -

शब्द	विलोम	सही मेल
सवाक	अनिच्छा	....
सजीव	मूक	....
इच्छा	निर्जीव	....
शुरुआत	परतंत्र	....
स्वतंत्र	प्राकृतिक	....
कृत्रिम	नापसंद	....
भविष्य	भूत	....
पसंद	अंत	....

प्र03 निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर उनके सामने लिखिए -

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नायक	....
अभिनेता	....
लेखक	....
जनक	....
गायक	....

प्र04 अपनी पसंदीदा फिल्म के बारे में पचास शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए -

....

....

....

....

....

....

प्र05 पाठ में अंग्रेजी भाषा के अनेक शब्द आए हैं। आप उनमें से पाँच शब्द ढूँढकर उनका हिन्दी में अर्थ लिखिए।

उदाहरण - इंटरव्यू - साक्षात्कार।

अंग्रेजी शब्द	अर्थ
1)	
2)	
3)	
4)	
5)	

अध्याय –12

'सुदामा चरित'

अभ्यास - कार्य

1 काव्यांशो को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए ।

सीस पगा न झँगा तन में प्रभु! जाने को आहि बसे केहि ग्रामा।
धोती फटी-सी लटी दुपटी, अरू पाँय उपानह को नहिं सामा।।
द्वार खड़ो द्विज दुर्बल एक, रह्यो चकिसों बसुधा अभिरामा।
पूछत दीनदयाल को धाम, बतावत आपनो नाम सुदामा।।

1) 'सीस................. न .... तन में प्रभु!' में रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प द्वारा कीजिए।

अ) पगा, झँगा ब) फटी, लटी

स) वसुधा, धाम द) कोई नहीं।

उत्तर ....

2) सुदामा के सिर पर नहीं 5है -

अ) टोपी ब) पगड़ी

स) दोनो द) कोई नहीं

उत्तर ....

3) सुदामा ने पहन रखा है -

अ) पतलून ब) कुर्ता

स) कमीज द) धोती

उत्तर ....

4) काव्यांश की भाषा है -

अ) खड़ी बोली ब) ब्रजभाषा

स) अवधी भाषा द) छत्तीसगढ़ी भाषा

उत्तर ....

2. क्षेत्रीय भाषा के शब्दों का मिलान उनकी मानक भाषा के शब्दों के साथ कीजिए।

क्षेत्रीय भाषा	मानक भाषा	सही मिलान
झँगा	ब्राह्मण	....

उपानह	पगड़ी	....
दुपटी	पिछला	....
द्विज	जूता	....
जुरत	पगड़ी	....
पाछिली	अंगोछा	....
पगा	बहादुरी	....

3. भाववाचक संज्ञा बनाओ

चोर	....
साधु	....
युवक	....
नारी	....
काला	....

4. उचित विशेषण लगाकर वाक्य पूरे करो :-

क) मेरा .... कोट बहुत अच्छा है।

ख) मेरी कमीज में .... बटन लगे है।

ग) .... पानी में नहाना चाहिए।

घ) .... आम खाया करो ?

ड) चटनी .... है।

पाठ –13

‘जहाँ पहिया है’

अभ्यास - कार्य

प्र01 दिए गए शब्दों के सही प्रयोग से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
(प्रशिक्षण शिविर आजादी, पुडुकोट्टई, साइकिल, विनम्र, आय, आत्मसम्मान)

1) भारत के सर्वाधिक गरीब जिलों में से एक है ....!
2) यहाँ ग्रामीण महिलाओ के एक चौथाई हिस्से ने .... चलाना सीख लिया है।
3) साइकिल .... देखना एक असाधारण अनुभव है।
4) साइकिल में एक खास तरह की .... है।
5) साइकिल चलाने से महिलाओं की .... में वृद्धि हुई है।
6) साइकिल प्रशिक्षण से महिलाओं के अंदर .... की भावना पैदा हुई है।
7) साइकिल एक .... सवारी है।

प्र02 उपसर्ग और प्रत्यय ऐसे शब्दांश हैं, जो शब्द के आगे और पीछे जुड़कर एक नए शब्द का निर्माण करते हैं। दिए गए शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय का प्रयोग हुआ है। आप मूलशब्द, उपसर्ग और प्रत्यय अलग-अलग लिखिए –

शब्द	मूल शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय
स्वाधीनता	....	....	....
प्रतियोगिता	....	....	....
सार्वजनिक	....	....	....
अंतर्राष्ट्रीय	....	....	....
असामायिक	....	....	....

प्र03 निम्नलिखित शब्दों का संधि - विच्छेद कीजिए –

1) सर्वाधिक .... + ...
2) अधिकांश .... + ...
3) नवाचार .... + ...
4) निहितार्थ .... + ...

प्र04 कोष्टक मे दिए गए उचित विशेषणों द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

(ग्रामीण, प्रशिक्षण, सामाजिक, बेशकीमती, रूढ़िवादी, असाधारण, चिलचिलाती)

1) .... आंदोलन

2) .... महिलाएं

3) .... शिविर

4) .... पृष्ठभूमि

5) .... पत्थर

6) .... धूप

7) .... अनुभव

अध्याय -14

'अकबरी लोटा'

अभ्यास-कार्य

1. लाला झाऊलाल को खाने पीने की कमी नहीं थी। काशी के ठठेरी बाजार में मकान था। नीचे की दुकानों से एक सौ रूपए मासिक के करीब मिलता था अच्छा खाते थे, अच्छा पहनते थे, पर ढाई सौ रूपए तो एक साथ आँख सेंकने के लिए भी न मिलते थे।

इसलिए जब उनकी पत्नी ने एक दिन एकाएक ढाई सौ रूपए की मांग पेश की, तब उनका जी एक बार जोर से सनसनाया और फिर बैठ गया। उनकी यह दशा देखकर पत्नी ने कहा – ''डरिए मत, आप देने में असमर्थ हों तो मैं अपने भाई से मांग लूँ ?

प्र० 1) लाला झाऊलाल की आर्थिक स्थिति कैसी थी ?

उत्तर ....

....

2) उन्हें 250 रूपए की आवश्यकता क्यों पड़ गई ?

उत्तर ....

....

3) रूपए की माँग सुनकर उनकी क्या दशा हुई ?

उत्तर ....

....

4) उनकी दशा देखकर पत्नी ने क्या ताना मारा ?

उत्तर ....

....

2. दिए गए अशुद्ध वाक्यो का शुद्ध कर लिखिए –

1) एक फूलों की माला ले आइए । ....

2) मुझे केवल दस मात्र मिले। ....

3) मैनें अनेकों तारे देखे। ....

4) प्रधानाचार्य अध्यापक को बुलाए। ....

5) मुझे भारी प्यास लगी है। ....

3. वॉक्स में दिए गए अक्षरों से साथ्रक शब्द बनाकर दूसरे बॉक्स में लिखो।

(डामलफॉसी, पारसाल, सांगोपांग, खुरापाती, सायबान)

1)	ग	सां	पां	गो		--						
2)	पा	खु	ती	रा		--						
3)	ल	पा	सा	र		--						
4)	फॉ	डा	सी	ल	म	--						
5)	य	बा	सा	न		--						

4. सामान्य क्रियाओं को बदलकर प्रेरणार्थक क्रिया का रूप बनाइए।

(उदाहरण - पीना (सामान्य क्रिया) - पिलवाना (प्रेरणार्थक क्रिया)

सामान्य क्रिया	प्रेरणार्थक क्रिया
पढ़ना	....
धोना	....
लिखना	....
सुनना	....
सोना	....

अध्याय –15

'सूर के पद'

अभ्यास-कार्य

1. काव्यांश को पढ़कर निम्न लिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए :-

मैया, कबहिं बढैगी चोटी?
किती-बार मोहिं दूध पियत भई, यह अजहूँ है छोटी।
तू जो कहति बल की बेनी ज्यौं ह्वे है लाँबी मोटी।
काढ़त - गुहत न्हवावत जैहै, नागिनी सी भुइँ लोटी।
काँचौ दूध पियावत पचि-पचि, देत न माखन रोटी।
सूरज चिरजीवौ दोउ भैया, हरि हलधर की जोटी।

प्र० 1) कवि और कविता का नाम लिखिए।

उत्तर ....

....

2) कान्हा अपनी माँ से क्या कह रहे हैं?

उत्तर ....

....

3) कृष्ण बलदाऊ के बारे में भैया से क्या कह रहे हैं?

उत्तर ....

....

4) कान्हा मैया से क्या शिकायत कर रहे हैं?

उत्तर ....

....

5) इस कविता में किसकी जोड़ी की बात की गयी है?

उत्तर ....

....

2. छाँटकर दी गई सन्धियों के रिक्त स्थान को भरिए -

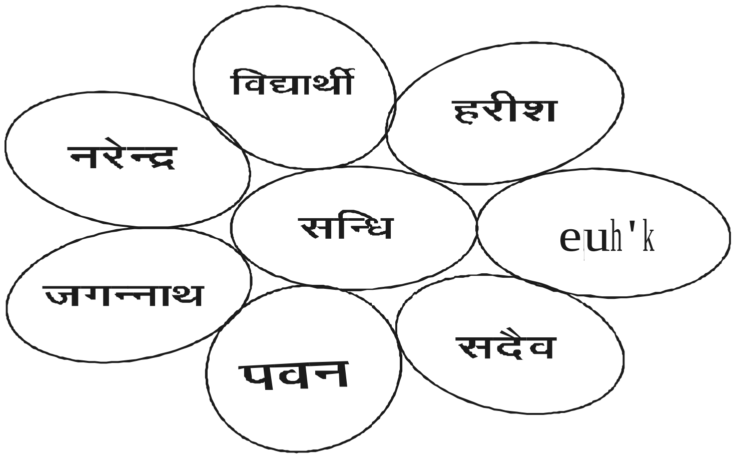

1) विद्या + ... -- ....
2) हरि + ... -- ....
3) .... + ईश -- ....
4) नर + ... -- ....
5) .... + एव -- ....
6) पो + ... -- ....
7) .... + नाथ -- ....

3. दिए गए शब्दों से शुद्ध एवं अशुद्ध शब्द छाँटिए

(पैत्रिक, क्षत्रिय, अस्थिर, सहम्र, चरण, रनभूमि)

शुद्ध	अशुद्ध
1)	1) ....
2)	2) ....
3)	3) ....

4. सही सुमेलित कर लिखिए

	उपभाषा	बोलियाँ		सही मिलान
1)	पूर्वी हिन्दी	मेवाती	1)	....
2)	पश्चिमी हिन्दी	कुमाऊँनी	2)	....
3)	बिहारी हिन्दी	अवधी	3)	....
4)	राजस्थानी हिन्दी	ब्रजभाषा	4)	....
5)	पहाड़ी हिन्दी	भोजपुरी	5)	....

अध्याय -16

'पानी की कहानी'

अभ्यास - कार्य

1 गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

मैं और गहराई की खोज में किनारों से दूर गई तो मैने एक ऐसी वस्तु देखी कि मैं चौंक पड़ी। अब तक समुद्र में अन्धेरा था, सूर्य का प्रकाश कुछ ही भीतर तक पहुँच पाता था और बल लगाकर देखने के कारण मेरे नेत्र दुखने लगे थे। मैं सोच रही थी कि यहाँ पर जीवों को कैसे दिखाई पड़ता होगा कि सामने ऐसा जीव दिखाई पड़ा मानो कोई लालटेन लिए घूम रहा हो, यह एक अत्यन्त सुन्दर मछली थी। इसके शरीर से एक प्रकार की चमक निकलती थी जो इसे मार्ग दिखलाती थी। इसका प्रकाश देखकर कितनी छोटी-छोटी अनजान मछलियाँ इसके पास आ जाती थी और यह जब भूखी होती थी तो पेट भर उनका भोजन करती थी।

प्र० 1) किनारे से दूर जाने पर बूँद क्यों चौंक पड़ी ?

उत्तर ....

....

2) उस समय समुद्र में कैसा दृश्य था ?

उत्तर ....

....

3) उसे सामने क्या दिखाई पड़ा ?

उत्तर ....

....

4) प्रकाश का क्या प्रभाव पड़ता था ?

उत्तर ....

....

2. दिए गए सर्वनाम के उदाहरणो का मिलान सर्वनाम के प्रकार से कीजिए।

(हम, यह, जिसे, आप, कौन, कुछ)

1) पुरूषवाचक सर्वनाम ....

2) निश्यवाचक सर्वनाम ....

3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम ....

4) प्रश्नवाचक सर्वनाम ....

5) संबंधवाचक सर्वनाम ....

6) निजवाचक सर्वनाम ....

3. कारक के कुछ परसर्ग दिए जा रहे हैं उनका सही मिलान कीजिए -

(ने, के लिए, का, अरे!, पर, से (अलग), को, से)

1) कर्ता कारक ....

2) कर्म कारक ....

3) करण कारक ....

4) सेप्रदान कारक ....

5) अपादान कारक ....

6) अधिकरण कारक ....

7) संबंध कारक ....

8) सम्बोधन कारक ....

4. पर्यावरण संकट शीर्षक पर 50 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखें?

उत्तर ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

अध्याय –17

‘बाज और साँप’

अभ्यास-कार्य

1. गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

हमारा यह गीत उन साहसी लोगों के लिए है जो अपने प्राणों को हथेली पर रखे हुए घूमते हैं। चतुर वही है जो प्राणों की बाजी लगाकर जिंदगी के हर खतरे का बहादुरी से सामना करे।

ओ निडर बाज! शत्रुओं से लड़ते हुए तुमने अपना कीमती रक्त बहाया है पर वह समय दूर नहीं है जब तुम्हारे खून की एक-एक बूँद जिंदगी के अँधेरे में प्रकाश फैलाएगी और साहसी, बहादुर दिलों में स्वतंत्रता और प्रकाश के लिए प्रेम पैदा करेगी।

तुमने अपना जीवन बलिदान कर दिया किन्तु फिर भी तुम अमर हो। जब कभी साहस और वीरता के गीता गाए जाएँगे, तुम्हारा नाम बड़े गर्व और श्रद्धा से लिया जाएगा।

‘‘हमारा गीत जिंदगी के उन दीवानों के लिए है जो मर कर भी मृत्यु से नहीं डरते’’

प्र० 1) चतुर प्राणी किसे बताया गया है?

उत्तर ....

....

2) बाज के बारे में क्या कहा गया है?

उत्तर ....

....

3) किसका नाम गर्व और श्रद्धा से लिया जाएगा?

उत्तर ....

....

4) किसका गीत दीवानों के लिए है?

उत्तर ....

....

2. नीचे लिखे वाक्यो में से विशेषण-विशेष्य छांटकर लिखो –

		विशेषण	विशेष्य
क)	मुझे चार रूपये दीजिए ।	....	....
ख)	वह चतुर लड़का है।	....	....
ग)	कक्षा में तीस छात्र है।	....	....

घ) कुछ पुस्तकें खरीदो। ....

ड) काली कमीज मत पहनो। ....

3. अनेक शब्दों के लिए दिए गए एक शब्द को छाँटिए –

(धर्मज्ञ, जिज्ञासु, अनंत, दुर्गम, अजर, नास्तिक, कृतघ्न, वाचाल)

1) जिसका कोई अंत न हो ....

2) जिसकी कभी मृत्यु न हो ....

3) जानने की इच्छा रखने वाला ....

4) ईश्वर में आस्था न रखने वाला ....

5) जहाँ जाना कठिन हो ....

6) धर्म को जानने वाला ....

7) जो बहुत अधिक बोलता है ....

8) उपकार को न मानने वाला ....

4. समास का नाम लिखकर विग्रह कीजिए –

	विग्रह	समास का नाम
1)	....	....
2)	....	....
3)	....	....
4)	....	....
5)	....	....
6)	....	....
7)	....	....

अध्याय -18

'टोपी'

अभ्यास-कार्य

प्र01 गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

''कपड़े पहन लेने के बाद आदमी की कुदरती खूबसूरती ढँक जो जाती है'' गवरा बोला, ''अब तू ही सोच!'' अभी तो तेरी सुघड़ काया का एक-एक कटाव मेरे सामने है, रोंवे-रोंवे की रंगत मेरी आँखों में चमक रही है। अब अगर तू मानुस की तरह खुद को सरापा ढँक ले तो तेरी सारी खूबसूरती ओझल हो जाएगी कि नहीं ?''

''कपड़े केवल अच्छा लगने के लिए नहीं, गवरइया बोली, ''मौसम की मार से बचने के लिए भी पहनता है आदमी।''

प्र0 1) पाठ का नाम एवं लेखक का नाम बताइऐ ?

उत्तर ....

....

प्र0 2) बातचीत किस किसके मध्य हो रही है ?

उत्तर ....

....

3) गवरा ने कपड़े न पहनने के पक्ष में क्या-क्या तर्क दिए ?

उत्तर ....

....

4) गवरइया ने कपड़े पहनने के पक्ष में क्या कहा ?

उत्तर ....

....

2. मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए-

1) आँखों में चमक आना -- ....

....

2) ओझल हो जाना -- ....

....

3) टोपी उछालना -- ....

....

4) लगुए-भगुए होना -- ....

....

5) माथे पर पसीना पौंछना -- ....

....

6) ठंडी आह भरना -- ....

....

7) राग अलापना -- ....

....

8) आँख में उंगली डालकर देखना -- ....

....

3. इन वाक्यों में से अकर्मक और सकर्मक क्रियाऐं छाँटकर लिखो ?

क) वह हँस रहा है।

ख) दूध उबल रहा है।

ग) मैंने पुस्तक पढ़ी।

घ) भारती दूध उबाल रही है।

ड) मैंने पुस्तक पढ़ी।

च) बालक चिल्लाया।

अकर्मक	सकर्मक
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

4. क्रिया के सही रूपों का प्रयोग कर खाली स्थान भरिए -

कठिन	....	कठिनतम
....	सुन्दरतर	....
उच्च		....